Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

CS (Main) Exam :,2014

C-DRN-N-RIMA

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

खण्ड A

SECTION A

Q1. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) कांट के अनुसार अनुभव-निरपेक्ष संश्लेषणात्मक निर्णय कैसे समर्थनीय हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

How are the synthetic a priori judgements justifiable according to Kant ? Explain. *10*

(b) विट्गेंस्टाइन के अर्थ के प्रयोग सिद्धांत में 'भाषायी खेलों' की महत्ता स्पष्ट कीजिए ।

Bring out the significance of 'language games' in Wittgenstein's use theory of meaning. *10*

(c) हुसर्ल के संवृतिशास्त्र (फिनोमिनौलोजी) में 'कोष्ठकीकरण' की महत्ता स्पष्ट कीजिए ।

Explain the significance of 'bracketing' in Husserl phenomenology. *10*

(d) क्या लाइबनित्ज़ का पूर्व-स्थापित सामंजस्य का सिद्धांत अनिवार्यतः नियतत्ववाद (डिटर्मिनिज़्म) की ओर ले जाता है ? चर्चा कीजिए ।

Does Leibniz's theory of pre-established harmony necessarily lead to determinism ? Discuss. *10*

(e) क्वाइन के "टू डॉग्मास ऑफ इम्पिरिसिज़्म" में दी गई युक्तियाँ किस सीमा तक समर्थनीय हैं ? चर्चा कीजिए ।

How far are Quine's arguments in "Two Dogmas of Empiricism" justified ? Discuss. *10*

Q2. (a) प्लेटो के अनुसार, ज्ञान और विश्वास में भेद कीजिए । यह उनकी तत्वमीमांसा पर किस प्रकार आधारित है ? स्पष्ट कीजिए ।

Distinguish between knowledge and belief according to Plato. How is it based on his metaphysics ? Explain. *20*

(b) देकार्तीय द्वैतवाद (कार्टीसियन डूअलिज़्म) के सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए उसकी समर्थक युक्तियों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

Explain the doctrine of Cartesian dualism and examine critically arguments in favour of it. *15*

(c) ह्यूम के द्वारा कार्यकारण सिद्धांत की आलोचना का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate critically Hume's criticism of theory of causation. *15*

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

Q3. (a) क्या इंद्रियानुभविक कथन निर्णायक रूप से सत्यापनीय हैं ? 'अर्थ के सत्यापन सिद्धांत' की परिसीमाओं की चर्चा कीजिए ।

Are empirical statements conclusively verifiable ? Discuss the limitations of 'verification theory of meaning'. *20*

(b) ट्रेक्टेटस के दर्शन में परमाणुवाद (ऐटोमिज़्म) की बर्ट्रांड रसेल द्वारा की गई व्याख्या से विट्गेंस्टाइन क्यों असहमत है ? चर्चा कीजिए ।

Why does Wittgenstein disagree with Bertrand Russell's interpretation of atomism in the philosophy of Tractatus ? Discuss. *15*

(c) क्या सामान्य बुद्धि की सफ़ाई में जी.ई. मूर द्वारा दी गई युक्तियाँ संतोषप्रद हैं ? कारण दीजिए ।

Are G.E. Moore's arguments in defence of common sense satisfactory ? Give reasons. *15*

Q4. (a) किर्केगार्ड की वरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए । वरण की अधिनीतिशास्त्र में अवधारणा आदर्शक नीतिशास्त्र से किस तरह भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए ।

Explain Kierkegaard's concept of choice. How does the concept of choice in metaethics differ from normative ethics ? Explain. *20*

(b) किसी वस्तु के अस्तित्व को जानना कालिकता (टैंपोरैलिटी) के क्षितिज के सामने होता है, हैडेगर के इस दावे को प्रस्तुत करते हुए उसका मूल्यांकन कीजिए ।

State and evaluate Heidegger's claim that temporality is the horizon against which the being of any entity is understood. *15*

(c) अरस्तू के कार्यकारण सिद्धांत में प्रयुक्त, आकार एवं द्रव्य के सिद्धांत के महत्त्व को समझाइए ।

Explain the significance of Aristotle's doctrine of form and matter in his theory of causation. *15*

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित के लघु उत्तर लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हों :

Write short answers to the following in about 150 words each : *10×5=50*

(a) "ज्ञान और जगत् की सीमाओं को मेरा इंद्रिय-प्रत्यक्ष निर्धारित करता है ।" चार्वाक के इस दावे की चर्चा कीजिए ।

"Limits of knowledge and world are determined by my sense perception." Discuss this claim of Carvakas. *10*

(b) बौद्ध दर्शन के सौत्रान्तिक एवं वैभाषिक संप्रदायों के मध्य ज्ञानमीमांसीय (ऐपिस्टेमौलोजिकल) भेदों को स्पष्ट कीजिए ।

Explain the epistemological differences between Sautrāntika and Vaibhāṣika schools of Buddhism. *10*

(c) अपनी तत्वमीमांसा के विकास में शंकर के दर्शन द्वारा 'अध्यास' की अवधारणा की महत्ता को स्पष्ट कीजिए ।

Bring out the significance of the concept of adhyāsa in Sankara's philosophy to develop his metaphysics. *10*

(d) क्या सांख्य दर्शन में प्रकृति के अस्तित्व के पक्ष में दी गई युक्तियाँ पर्याप्त हैं ? चर्चा कीजिए ।

Are the arguments given in favour of existence of prakṛti adequate in Sāṁkhya philosophy ? Discuss. *10*

(e) क्या अर्थापत्ति प्रमाण को अनुमान प्रमाण में समाहित किया जा सकता है ? मीमांसा दर्शन के दृष्टिकोण से विवेचना कीजिए ।

Can arthāpatti (postulation) be reduced to anumāna (inference) ? Discuss it from the Mīmāṃsā point of view. *10*

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

Q6. (a) चिरसम्मत भारतीय परम्परा में यथार्थता के सिद्धांतों में, कार्यकारण का सिद्धांत किस तरह केन्द्रीय भूमिका निर्वाह करता है ? विवेचन कीजिए ।

How is the theory of causation central to the theories of Reality in classical Indian tradition ? Discuss. *20*

(b) कर्म की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए एवं जैन दर्शन के अनुसार उसके विभिन्न प्रकारों की विवेचना कीजिए ।

Explain the concept of Karma and discuss its various types according to Jain philosophy. *15*

(c) किसी वस्तु के अभाव को न्याय दर्शन एवं मीमांसा दर्शन में किस प्रकार जाना जाता है ? विवेचन कीजिए ।

How is an absence of an object known according to Naiyāyikās and Mīmāṁsakas ? Discuss. *15*

Q7. (a) न्याय दर्शन में अलौकिक प्रत्यक्ष को स्वीकार करने के दार्शनिक निहितार्थों को उद्‌घाटित कीजिए ।

Bring out the philosophical implications of introducing extraordinary (alaukika) perception in Nyaya philosophy. *20*

(b) सम्प्रज्ञात समाधि के स्वरूप एवं स्तरों को समझाइए । किस प्रकार प्रत्येक स्तर असम्प्रज्ञात समाधि की ओर अग्रसर करता है ?

Explain the nature and levels of samprajnata samadhi. How does each level lead more towards asamprajnata samadhi ? *15*

(c) "पुरुष न बंधन में होता है, न मुक्त होता है और न वह संसरण (पुनर्जन्म) करता है" — सांख्य दर्शन के मोक्ष सम्बन्धी इस मत का परीक्षण कीजिए ।

Examine the Sāṁkhya view on liberation that "the self is neither bound nor liberates, nor does it transmigrate". *15*

Q8. (a) शंकर, रामानुज एवं मध्व के दर्शन में ब्रह्म की प्रकृति किस प्रकार से भिन्न है ? आलोचनात्मक विवेचन कीजिए ।

How does the nature of Brahman differ in the philosophy of Sankara, Ramanuja and Madhva ? Discuss critically. *20*

(b) शून्यता की अवधारणा को नागार्जुन किस प्रकार समझाते हैं ?

How does Nagarjuna explain the concept of Sunyata ? *15*

(c) श्री अरविंद का पूर्ण योग किस प्रकार पातंजल योग का विकसित रूप है ? विवेचन कीजिए ।

How is Sri Aurobindo's integral yoga an advancement over Pātanjala yoga ? Discuss. *15*